सूचनार्थ / प्रकाशनार्थ दिनांक 12.04.2012

ऋषिकेश में आयोजित यमुना संरक्षण कान्फ्रेन्स में हुई यमुना प्राधिकरण बनाने की बात

ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन में गंगा ऐक्शन परिवार द्वारा गंगा के तट पर यमुना संरक्षण को लेकर 3 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एवं विस्तृत कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें विशेष रूप से इलाहाबाद में संगम के संरक्षण के लिए गंगा और यमुना दोनो के संरक्षण के संयुक्त प्रयास की बात हुई।कार्यक्रम के पहले दिन नई दिल्ली के पीस इन्स्टीट्यूट एवं यमुना जिए अभियान के कन्वेनर डॉ0 मनोज मिश्रा जी ने संगोष्ठी में यमुना संरक्षण के लिए सबके नैतिक उत्तरदायित्व की बात की, वहीं स्वामी चिदानन्द सरस्वती के साथ वैयक्तिक गोष्ठी में यमुना के लिए विस्तृत परियोजना पर यमुनोत्री से इलाहाबाद तक क्या–क्या कार्य हो सकता है, इस पर भी वार्ता की। कार्यक्रम के दूसरे दिन के प्रथम सत्र को यमुना संरक्षण पर ही रखा गया था। इस सत्र की शुरूआत इलाहाबाद से आये संजय पुरूषार्थी ने ''ग्लोबल ग्रीन्स'' द्वारा यमुना संरक्षण के लिए पूर्व में किये गये कार्यों की रूपरेखा एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्यों के लिए सत्र का संचालन करते हुए यमुना के लिए उक्त पंक्ति कही–

''हमारी प्यास है गंगा, हमारी आस है यमुना, कि दुनिया में इनके बरोबर कोई हो नहीं सकता'' ।

कार्यक्रम के अगले चरण में ग्लोबल ग्रीन्स के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने यमुना नदी के संरक्षण के लिए **UNDP** के **Project River Health Index** की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई, जिसे **Peace Institute** नई दिल्ली के साथ मिलकर यमुनोत्री से लेकर इलाहाबाद तक निर्मित किया गया है। इस कार्य में विशेष रूप से इलाहाबाद में बीकर में नदी का गाँव पर और गाँव का नदी पर क्या प्रभाव है, अध्ययन किया गया साथ ही यमुना के लिए जन–जागृति हेतु **Run for Yamuna** कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया एवं संगम से उद्गम तक यात्रा निकाली गई। यमुना पर अलग से प्राधिकरण बनाने की मांग की गयी एवं। इलाहाबाद में क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाने की बात तथा यमुना नदी को **Eco Tourism** से जोड़ने की बात की गई।

India Hindi Water Portal के प्रमुख सिराज़ केसर ने भी यमुना संरक्षण के विभिन्न तथ्यों की बात की और तेरह नदियों के पुनर्जीवन की जानकारी लोगों के समक्ष रखी। आगरा में यमुना संरक्षण के लिए अपने प्रयासों की बात मानसी संस्था की अध्यक्ष साधना श्रीवास्तव ने की । आगरा के मोहन कुमार ने यमुना की तुलना माँ से करते हुए कविता के माध्यम से अपनी व्यथा व्यक्त की। नई दिल्ली से आए आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक एवं राष्ट्रीय समाचार वाचक श्री अश्विनी त्यागी ने गंगा यमुना के लिए सांस्कृतिक पहलुओं को दृश्य एवं श्रव्य के माध्यम से करने की बात की । सत्र की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति शम्भू नाथ श्रीवास्तव ने यमुना नदी के कानूनी पहलूओं की व्याख्या की एवं यमुना संरक्षण को जहाँ जल के मूल अधिकार के रूप में बताया वहीं संरक्षण कार्य को प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य के रूप में भी व्याख्यापित किया। सायंकालीन सत्र में जल पुरूष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि गंगा ऐक्शन परिवार का प्रयास सराहनीय है कि न केवल गंगा के लिए वरन यमुना एवं उसकी सहायक नदियों की भी चिंता यहाँ गंगा तट पर की जा रही है। वास्तव में नदी संरक्षण के लिए इसकी समग्रता की ही आवश्यकता है।

कार्यशाला में अन्तिम दिन बृज मन्दिर के मान मन्दिर के प्रमुख रमेश बाबा द्वारा मथुरा एवं वृन्दावन में यमुना के लिए किए जार रहे प्रयासों को अपने शिष्य मण्डली के माध्यम से गंगा ऐक्शन परिवार के साथ जुड़कर कार्य करने बात की। टेरी के निदेशक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ0 आर0के0 पचौरी ने कुम्भ से पूर्व गंगा एवं यमुना दोनो के लिए संयुक्त प्रयास की सराहना की क्योंकि इलाहाबाद में गंगा यमुना के संगम तट पर ही महाकुम्भ का मेला लगता है, अतः जितना गंगा के जल को शुद्ध किया जाना जरूरी है, उतना ही यमुना का भी जल स्वच्छ रखना जरूरी है।

कार्यक्रम का समापन स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने किया और उन्होंने बताया कि यमुना संरक्षण के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। यमुना के लिए गंगा ऐक्शन परिवार की तरह ही यमुना ऐक्शन परिवार भी बनाया जाएगा तथा कार्यशाला में उठाये गये मुद्दों में प्रमुख रूप से अलग से यमुना के लिए यमुना प्राधिकरण बनाये जाने की बात शीघ्र ही प्रधानमंत्री को लिखित पत्र के रूप में माँग के रूप में प्रेषित की जायेगी एंव इलाहाबाद में क्षेत्रीय कार्यालय भी खोलाजाएगा।

मीडिया सहायक
आशीष मालवीय